समय – 2:00 घंटे **पूर्णांक – ६०**

सुचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

2. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

प्रश्न १. **निम्नलिखित में से किन्ही दो अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए|** **२०**

(क) "नभ अनिल अनल'
भयभीत सभी को भय देता
भय की उपासना में विलीन
प्राणी कटुता को बाँट रहा |"

(ख) "उस प्राणों का एक बुलबुला –भर पी लेने को
उस अनंत नीलिमा पर छाये रहते ही
जिस में वह जनमी है,पली है,जियेगी,
उस दूसरी अनंत प्रगाढ़ नीलिमा की ओर
विद्युल्लता की कौंध की तरह
अपनी इयत्ता की सारी आकुल तडप के साथ उछली हुई
एक अकेली मछली|"

(ग) "वह रहस्यमय व्यक्ति
अब तक न पाई गई मेरी अभिव्यक्ति है,
पूर्ण अवस्था वह
निज-संभावनाओं, निहित प्रभावों, प्रतिभाओं की,
मेरे परिपूर्ण का आविर्भाव,
हृदय में रिस रहे ज्ञान का तनाव वह,
आत्मा की प्रतिभा।"

प्रश्न २. **निम्नलिखित में से किन्ही दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए |** **३०**

(च) कामायनी की कथावस्तु का वर्णन कीजिए |

(छ) 'असाध्यवीणा'कविता की एतिहासिकता का वर्णन कीजिए |

(ज) ब्रह्म राक्षस कविता का भावार्थ विस्तार से लिखिए |

XSAGARDADMINY512F25XSAGARDADMINY512F25

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए | **१०**

१. कामायनी महाकाव्य के नायक कौन है ?

२. कामायनी में मानव कौन है ?

३. कामायनी में कुल कितने सर्ग है ?

४. इड़ा का आगमन कौनसे सर्ग में होता है ?

५. असाध्यवीणा कविता का सम्बन्ध कौनसे देश से है?

६. चिड़िया ने ही कहा' कविता में चिड़िया क्या है?

७. असाध्यवीणा कविता में वीणा को कौन साधता है?

८. मुक्तिबोध विशेष रूप से कौनसी विचारधारा के कवि माने गये है?

९. 'अँधेरे में कविता को किस आलोचक ने नई कविता की उपलब्धि कहा है?

१०. मुक्तिबोध के काव्य की मूल संवेदना क्या है ?

****

XSAGARDADMINY512F25XSAGARDADMINY512F25